Unemployment problem

*268. SHRI RAJEEV SHUKLA:††
SHRI RAJKUMAR DHOOT:

Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the avenues for employment are shrinking and the number of unemployed and semi-employed persons are soaring over the years;

(b) the generation of employment opportunities planned in different categories during the period 2003-04 and 2004-05;

(c) what has been and what is likely to be the impact of cut in jobs in Government PSUs, divestment in PSUs and closure of industrial units in creating new job opportunities; and

(d) whether Government have set any target to provide employment to every eligible citizen of the country?

THE MINISTER OF LABOUR (SHRI SAHIB SINGH VERMA): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a to d) Estimates of employment and unemployment are obtained through quinquennial labour force surveys conducted by National Sample Survey Organisation. Last such survey was conducted during 1999-2000. As per these surveys, estimated employment in the country on usual status basis has gone up from approximately 374 million in 1993-94 to 397 million on 1999-2000. Number of unemployed during 1993-94 and 1999-2000 was approximately 75 lakh and 90 lakh respectively.

The Special Group headed by Dr. S. P. Gupta, Member, Planning Commission has recommended strategy and programmes which have been considered while formulating the 10th Plan, for targeting creation of 50 million employment opportunities (10 million per year) during the 10th Plan period (2002-2007). It identified the activities where there is a major potential of large new job opportunities as in agriculture, including social forestry, animal husbandry, fishing, horticulture and related areas and small and medium industries, construction, tourism, information

†† The question was actually asked on the floor of the House by Shri Rajeev Shukla.

technology, financial sector, education and health. The special group has felt that with the target of achieving 10 million jobs per year, it will be possible to achieve near full employment situation by the end of 2012.

Organised sector constitutes about 7% of the total employment in the country. Loss of jobs, if any, in Public Sector Undertakings (PSUs), disinvested PSUs and industrial units, may not have any significant effect on total employment in the country.

श्री राजीव शुक्ल: सभापति जी, बेरोजगारी के प्रश्न पर पहले से ही साहिब सिंह वर्मा जी को सदस्यों ने काफी तंग किया हुआ है। लेकिन इनका जवाब कुछ इस तरह का है कि वह अपने आप में थोड़ा हास्यास्पद लगता है या थोड़ी गलती लगती है। इन्होंने कहा है कि 1999-2000 में 90 लाख लोग बेरोजगार हैं। अगर 90 लाख सिर्फ इस देश में बेरोजगार हैं तो फिर हर साल एक करोड़ लोगों को नये रोजगार के अवसर देने की बात और पांच करोड़ लोगों को पांच साल में रोजगार देने की बात दसवीं पंचवर्षीय योजना में कही जा रही है, इसका क्या तालमेल है यह मेरी समझ में नही आ रहा है?

दूसरे मांटेक सिंह अहलुवालिया की जो टास्क फोर्स थी और एस॰पी॰ गुप्ता स्पेशल ग्रुप की जो रिकमंडेशन्स थीं, उनमें क्या प्रगति हुई है?

श्री साहिब सिंह वर्मा: सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने जो बात कही है बेरोजगारों की संख्या के बारे में कि 1999-2000 में 90 लाख है। यह असल में वह है जिन लोगों को हम रोजगार में शामिल समझते हैं। यह दुर्भाग्य की बात है कि एनएसएसओ का जो सर्वे है वह 365 दिन में अगर कुछ दिन भी लोग काम करते हैं तो उनको भी रोजगार वालों की संख्या में शामिल करता है। ये 90 लाख वे लोग हैं जिनको 365 दिन में से एक दिन भी रोजगार नहीं मिलता। यह वह संख्या 90 लाख है।

जो दूसरी बात आपने कही,यह बात भी अपनी जगह सही है कि इसके बावजूद भी 3 करोड़ 97 लाख के पास कोई छोटा-मोटा रोजगार है। लेकिन करीब 12 करोड़ लोग बिलो पावर्टी लाइन में हैं।

श्री राजीव शुक्ल: सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने मेरे दूसरे प्रश्न का जवाब नहीं दिया है जो मांटेक सिंह अहलुवालिया कमेटी और एस॰पी॰ गुप्ता कमेटी के संबंध में था।

श्री साहिब सिंह वर्मा: सभापति महोदय, अभी माननीय सदस्य ने पूछा कि उस रिपोर्ट के बारे में क्या हो रहा है। उस रिपोर्ट के बारे में कुछ बातें उन्होंने कही थीं, मांटेक सिंह अहलुवालिया कमेटी की रिपोर्ट के बाद एस॰पी॰ गुप्ता जी की रिपोर्ट तो इम्प्रूवमेंट के रूप में आई और

एस०पी० गुप्ता जी की रिपोर्ट पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में अनेकों क्षेत्र बताये कि कृषि, सिंचाई, कृषि वानिकी, लघु उद्योग, मध्यम उद्योग, सूचना प्रचार-प्रसार हर एक क्षेत्र में कहीं-कहीं कोई काम हो रहा है। सड़कों पर जो काम चल रहे हैं, उनमें कुछ लोगों को रोजगार मिल रहा है। किन्तु एक्ज़ेक्टली यह बताना संभव नहीं है कि 2003-2004 में और 2004-2005 के दौरान कितने लोगों को रोजगार मिल जाएंगे क्योंकि यह जो एनएसएसओ का सर्वे होता है, वह पांच साल में एक बार होता है। पहले 1999-2000 में हुआ था और अब 2005 में जब फिर सर्वे होगा तो उससे एक्ज़ेक्ट पता चलेगा। लेकिन कुल मिलाकर अपनी यह सोच है—जो श्री एस०पी० गुप्ता ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अगर आठ प्रतिशत ग्रोथ रेट होगा तो उससे 30 मिलियन जॉब हमें इस दौरान उपलब्ध हो जाएंगे। विशेष रोजगार सृजन कार्यक्रमों के माध्यम से भी कृषि, सिंचाई, कृषि वानिकी आदि चीजें जो मैंने गिनाई हैं, इसके अंदर भी करीब 20 मिलियन जॉब और हो जाएंगे। पर्यटन के क्षेत्र में भी रोजगार होंगे जिसके ऊपर बड़े पैमाने पर काम चल रहा है, जगमोहन जी इसको भी आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। इस प्रकार अनेकों क्षेत्र जो उन्होंने बताए हैं, इनके ऊपर काम चल रहा है। माननीय प्रधान मंत्री जी ने 10 मिलियन जॉब्स की बात जो उन्होंने कही थी, उसी के बाद उन्होंने ये कमेटियां बनाई थीं और निरंतर उनकी यह चिंता है तथा इन क्षेत्रों में काम चल रहा है जिससे अधिक से अधिक लोगों को रोजगार दिया जा सके।

श्री राजीव शुक्ल: महोदय, इसमे काफी कुछ आंकड़ेबाजी लग रही है किन्तु वस्तुस्थिति कुछ और नजर आती है। जो रोजगार के हालात देश में हैं, वे बहुत ही खराब हैं। प्रधान मंत्री जी ने कहा है कि 80 लाख लोगों को इस बार रोजगार दे दिया गया है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उन 80 लाख लोगों में से कितने लोगों को ad hoc जॉब मिले हैं तथा ऑरग्नाइज्ड और अनऑरग्नाइज्ड सेक्टर में कितने लोगों को रोजगार मिला है, उसका ब्रेक-अप क्या है?

श्री साहिब सिंह वर्मा: माननीय सभापति महोदय, जहां तक 80 लाख जॉब्स देने की बात प्रधान मंत्री जी ने कही थी, उसमें अधिकतर लोग अनऑरग्नाइज्ड सेक्टर में हैं। वे सरकारी नौकरियां नहीं हैं या उद्योग धन्धों में, ऑरग्नाइज्ड सेक्टर में ज्यादा नौकरियां नहीं है। इसके अंदर अधिकतर नौकरियां अनऑरग्नाइज्ड सैक्टर में हैं। ऑरग्नाइज्ड सेक्टर में ...(व्यवधान)....

एक माननीय सदस्य: सड़क पर मिट्टी ढोने वाले को भी ये रोजगार प्राप्त लोगों में गिनते हैं। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सरला माहेश्वरी: क्या हिसाब दिया है? ...(व्यवधान)...

श्री साहिब सिंह वर्मा: माननीय सभापति जी, यह बात सही है कि ऑरग्नाइज्ड सेक्टर में जो लोग काम करते हैं, उनको कुछ सोशल सिक्योरिटी है, अनऑरग्नाइज्ड सेक्टर में काम करने वालों को उतनी नहीं है लेकिन 56 साल की आजादी के बाद देश में पहली बार आज उन लोगों

को भी सामाजिक सुरक्षा देने के लिए सरकार ने काम प्रारम्भ किया है। मेडिकल का काम शुरू कर दिया गया है।...(व्यवधान)... उसमें बहुत बड़ी योजना से उनको लाभान्वित किया जा रहा है। दूसरे क्षेत्रों में भी सामाजिक सुरक्षा देने का काम चल रहा है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: श्री राजकुमार धूत। ...(व्यवधान)...

श्री दारा सिंह चौहान: उनको रोजगार में शामिल किया जा रहा है तो फिर छंटनी करने की क्या जरूरत है?

SHRI JIBON ROY: Mr. Chairman, Sir, in every session, we pass some Bills. Half-a-dozen Bills are such that, ultimately, they go against labour. In every session, we pass such Bills. And, now, the pronouncements coming from the Apex court are also against labour.

MR. CHAIRMAN: Mr. Roy, please come to the question.

SHRI JIBON ROY: Sir, I wish to know from the Government what protection they are giving to the labour, either the employed or the unemployed. The point is, all the figures indicate that the rate of outflow in manufacturing and organised sector is greater than the inflow; all the figures indicate that the rate of outflow is greater than the inflow. That means, in absolute terms, the workforce is going down in manufacturing and organised sectors. In agriculture too, the rate of outflow is greater than the inflow.

MR. CHAIRMAN: Please come to your question ...(*Interruptions*)...

SHRI JIBON ROY: Sir, I am coming to that. The hon. Minister mentioned about the recommendations made by the S.P. Gupta Committee. So many Committees are making their recommendations, but the question is what steps, in concrete terms, the Government is taking to protect the labour and to increase the rate of employment in the organised sector, and, especially, in agriculture, where, in absolute terms, the rate of employment is going down. You are passing laws against labour. The Apex court has given a judgement that strike is illegal ...(*Interruptions*)...

श्रीमती सरला मांहेश्वरी: ऐग्रीकल्चर में कितनी जॉब क्रिएट की हैं? इन्होंने कहा है कि ...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: Please take our seats...(*Interruptions*)... Please take your seats...(*Interruptions*)...

SHRI JIBON ROY: I want to know what the Government is doing ...(*Interruptions*)...

श्री साहिब सिंह वर्मा: सभापति जी, जैसा मैंने कहा कि एस.पी. गुप्ता जी की रिपोर्ट आने के बाद ...(**व्यवधान**)...

श्री जीवन राय: रिपोर्ट की जरूरत नहीं है। What are you doing? What is the Government doing? That is the important thing ...(*Interruptions*)... Strikes have also been made illegal. ...(*Interruptions*)...

श्री साहिब सिंह वर्मा: सभापति जी, माननीय सदस्य को ...(**व्यवधान**)... मेरा सेंटेंस पूरा नहीं होता और ये पहले ही कूद पड़ते हैं। मैं यह कहना चाहता हूं जैसा मैंने अभी बताया कृषि में, सिंचाई में, कृषि वानिकी में, लघु और मध्यम उद्योगों में जितने भी मंत्रालय हैं, इन्होंने नई-नई योजनाएं प्रारंभ की हैं जो इम्पलायमेंट जनरेट करेंगी। ...(**व्यवधान**)...

SHRI JIBON ROY: The report is that employment in the agriculture sector is going down. Employment is going down in agriculture sector in absolute terms. Do you accept that position? ...(*Interruptions*)...

श्री सभापति: बोलिए, बोलए। ...(**व्यवधान**)...

श्री साहिब सिंह वर्मा: माननीय सभापति जी, जहां तक अनऑरग्नाइज्ड सेक्टर में जॉब्स की बात है, वो बढ़ रहे हैं, घट नहीं रहे हैं। जहां तक ऑरग्नाइज्ड सेक्टर में जॉब्स की बात है। ...(**व्यवधान**)...

श्री जीवन राय: Agriculture में नहीं हैं, Manufacturing सैक्टर में नहीं है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: इस प्रकार खड़े होकर बोलने से काम नहीं होगा। ...(**व्यवधान**)... बैठ जाइए, बैठ जाइए।

श्री साहिब सिंह वर्मा: सभापति जी, अगर माननीय सदस्य के पास ऐसा कोई डाक्युमेंट है जो यह शो करे कि अन-आर्गेनाइज्ड सैक्टर में, असंगठित क्षेत्र में जाब्स कम हो रहे हैं तो माननीय सदस्य वह डाक्युमेंट मुझे दे दें। जो मेरी फिगर्स हैं, मैंने कहा है कि अन-आर्गेनाइज्ड सैक्टर में जाब बढ़ रही हैं, आर्गेनाइज्ड सैक्टर में जोब घटी हैं। यह मेरा कहना है। ...(**व्यवधान**)... । will correct myself, if there is any such information ...(*Interruptions*)...

SHRI JIBON ROY: Agriculture is the biggest employment generating sector. What is the position with regard to agriculture?

श्री सभापति: बैठिए, बैठिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री साहिब सिंह वर्मा: कहां क्या हुआ है ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Please, take your seat.

श्री साहिब सिंह वर्मा: मैं अपने-आपको ...(**व्यवधान**)...

श्री मोती लाल वोरा: सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि उनका यह कहना है कि ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: पीछे वाले सबसे ज्यादा बोल रहे हैं।

श्री मोती लाल वोरा: माननीय मंत्री जी ने यह कहा कि आर्गेनाइज्ड सैक्टर में करीब सात प्रतिशत लोगों को रखा गया है और जितनी पब्लिक अंडरटेकिंग्स जो अभी विनिवेश में ली गई हैं उनके बन्द होने से रोजगार पर किसी भी प्रकार का असर नहीं पड़ेगा। महोदय, जहां लाखों लोग पब्लिक अंडरटेकिंग्स में बेरोजगार हुए हैं वहां मंत्री जी का यह कहना है कि इसका रोजगार पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा। मैं माननीय मंत्री जी से यह कहना चाहता हूं कि जहां आपने कहा कि 80 लाख लोगों को अन-आर्गेनाइज्ड सैक्टर में नौकरी देने की व्यवस्था की गई है। आपके आंकड़े, विभागों के आंकड़े नहीं हैं। महोदय, क्या माननीय मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि यह जो सात प्रतिशत लोगों को संगठित क्षेत्र में रोजगार देने की व्यवस्था की गई है वे कौन-कौन से सैक्टर हैं, किन आर्गेनाइज्ड सैक्टर में दिए गए हैं क्योंकि आपके पास अस्सी प्रतिशत लोगों के आंकड़े नहीं हैं। मैं भी जानता हूं कि अभी आपके लिए संभव नहीं होगा। जो संगठित क्षेत्र में हैं उनमें सात प्रतिशत के आंकड़े किन-किन क्षेत्रों में दिए गए, इसकी जानकारी देने की कृपा करें।

श्री साहिब सिंह वर्मा: महोदय, माननीय सदस्य इसको ठीक से समझ नहीं पा रहे हैं कि कुल मिलाकर जो देश की लेबर फोर्स है उसमें से सात परसेंट आर्गेनाइज्ड सैक्टर में काम करते हैं, 93 परसेंट अन-आर्गेनाइज्ड सैक्टर में ...(**व्यवधान**)... Let me finish.

SHRI MOTILAL VORA: I am not interrupting. I have listened to the whole thing. I would just like to ask the hon. Minister...(*Interruptions*)...

SHRI SAHIB SINGH VERMA: Please, let me finish...(*Interruptions*)...

SHRI VAYALAR RAVI: Let there be a discussion on this matter...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Please, let him speak.

SHRI MOTILAL VORA: You are totally misleading the House. ...(*Interruptions*)...

श्री सभापति: माननीय सदस्य बैठिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री साहिब सिंह वर्मा: मुझे कहने तो दो। ...(**व्यवधान**)... मुझे कहने दो ...(**व्यवधान**)... सभापति जी, ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप सुनिए तो सही। ...(**व्यवधान**)... Please allow him to speak.

श्री साहिब सिंह वर्मा: महोदय, मैंने दूसरी बात यह कही है कि माननीय सदस्य यह जानना चाहते थे कि इस विनिवेश वगैरह से कितना फर्क पड़ा है, मैं उनको यह बताना चाहता हूं, हमने यह नहीं कहा कि बिल्कुल फर्क नहीं पड़ा ...(**व्यवधान**)...

श्री मोती लाल वोरा: सभापति जी, ...(**व्यवधान**)...

श्री साहिब सिंह वर्मा: बात तो पूरी कर लेने दो। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप बोलने तो दीजिए। बोलने नहीं देंगे तो ...(**व्यवधान**)... अजीब बात है। ...(**व्यवधान**)...

श्री साहिब सिंह वर्मा: मुझे पूरा तो करने दीजिए। ...(**व्यवधान**)... मुझे पूरा कहने दो ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप बोलने दीजिए।

श्री साहिब सिंह वर्मा: मैंने कहा है कि निश्चित रूप से कुछ फर्क पड़ा है और यह फर्क 15 परसेंट का है। मैं आपको स्पेसिफिक बता रहा हूं। ...(**व्यवधान**)...I am telling you specifically...(*Interruptions*)...

श्री जीवन राय: अन-आर्गेनाइज्ड सैक्टर में...(व्यवधान)... In the organized sector, rate of employment has gone down by 26 per cent. In the unorganized sector, the rate of employment has gone down. There should be some discussion in the House. ...(*Interruptions*)...

श्री मोती लाल वोरा: सभापति जी, माननीय मंत्री जी का जवाब है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप मंत्री जी को बोलने नहीं देंगे तो वे क्या कहेंगे? ...(**व्यवधान**)... Please, take your seat. मंत्री जी भी क्या कहेंगे ...(**व्यवधान**)... Please take your seat. Nothing will go on record. बैठिए, बैठिए...(**व्यवधान**)...

श्री साहिब सिंह वर्मा: माननीय सभापति जी ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: बैठिए, बैठिए ...(**व्यवधान**)...

श्री साहिब सिंह वर्मा: अगर आप कहने देंगे तो एक दो सवाल और हो जाएंगे। माननीय सभापति जी मैंने निवेदन किया है कि सात परसेंट लोग आर्गेनाइज्ड सैक्टर में काम करते हैं,

इंडस्ट्रीज में काम करते हैं, ऐसी इंडस्ट्रीज, जिसमें बीस से ज्यादा लोग काम करते हैं। ऐसी कोई भी एस्टेबलिशिमेंट, जिसमें बीस से ज्यादा लोग काम करते हैं हम उन्हें ऑर्गेनाइज्ड सैक्टर में मानते हैं इनकी संख्या केवल 7 फीसदी है, 93 परसेंट लोग ऐसे हैं जो इसके अलावा काम करते हैं। मैंने कहा कि जहां तक विनिवेश की बात है तो उससे जॉब में फर्क पड़ा है ...(**व्यवधान**). .. सुन तो लीजिए ...(**व्यवधान**)...मैंने कहा है ...(**व्यवधान**)... मेरे सवाल के जवाब में ... (**व्यवधान**)...

श्री सभापति: ठहरिए, ठहरिए ...(**व्यवधान**)... आप इन्हें बोलने तो दीजिए ...(**व्यवधान**). .. क्या हुआ ...(**व्यवधान**)... दे दिया इनको ...(**व्यवधान**)...

श्री साहिब सिंह वर्मा: सभापति जी, मैं एक बार अपना जवाब पूरा कर लूं, फिर बता दें . ..(**व्यवधान**)... मैंने जवाब में यह कहा था कि यदि सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों से रोजगार में कोई कमी आती है, रोजगार में विशेष प्रभाव होता है, कमी आती है तो ...(**व्यवधान**)... मैं तो कर रहा हूं कि इसमें 15 परसेंट कमी आई है, मैं कमिट कर रहा हूं। मैं on the floor of the House. कह रहा हूं Then, where is the problem?

SHRI JIBON ROY: I challenge the statement of the Minister ...(*Interruptions*).

श्री सभापति: बैठिए, बैठिए ...(**व्यवधान**)...क्या कह रहे हैं आप ...(**व्यवधान**)...

श्री कपिल सिब्बल: सभापति जी, अनएम्प्लोएमेंट के लिए ...(**व्यवधान**)... शार्ट नोटिस ...(**व्यवधान**)... के लिए कहिए ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: ठीक है आप लिखकर दे दीजिए ...(**व्यवधान**)... इस सारे विषय पर बात करेंगे ...(**व्यवधान**)... मैं आपसे कह रहा हूं Next question ...(*Interruptions*)... Please sit down. I will look into the interests of labourers ...(*Interruptions*) ... बैठ जाइए।

महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड द्वारा निवेश

*269. **श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन':††**
श्री राम जेठमलानी:

क्या **संचार और सूचना प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड ने गत तीन वर्षों के दौरान अन्य वाणिज्यिक संगठनों में पूंजी निवेश किया है;

---

†† सभा में यह प्रश्न श्रीमती प्रेमा करियप्पा द्वारा पूछा गया।